Under CSR Support by Ipca | Foundation missiongyan

अध्याय - 7 | भारत की सांस्कृतिक जड़ें

QUIZ PART-02

1. **वैदिक समाज किस रूप में संगठित था?**
   A. शहरों में
   B. छोटे परिवारों में
   C. विभिन्न 'जन' समूहों में
   D. साम्राज्यों में (C)

व्याख्या : प्रारंभिक वैदिक समाज विभिन्न जनों में संगठित था, जिनका उल्लेख ऋग्वेद में मिलता है।

2. **'जन' शब्द का अर्थ क्या है?**
   A. राजा की सेना
   B. लोगों का बड़ा समूह
   C. केवल पुरोहितों का समूह
   D. व्यापारी समुदाय (B)

व्याख्या : जन' का अर्थ एक बड़े लोगों के समूह से है, जैसे—भरत, पुरु, कुरु आदि जन।

3. **ऋग्वेद में कितने से अधिक जनों की सूची मिलती है?**
   A. 10
   B. 15
   C. 20
   D. 30 (D)

व्याख्या : ऋग्वेद में 30 से अधिक जनों का उल्लेख मिलता है।

4. **वैदिक समाज में 'सभा' और 'समिति' किसका संकेत करते हैं?**
   A. युद्ध
   B. सामूहिकता
   C. व्यापार
   D. राजकीय कर (B)

व्याख्या : सभा और समिति दोनों सामूहिकता और जन-सहभागिता का संकेत देती हैं।

5. **निम्न में से कौन-सा वैदिक काल का उल्लेखित व्यवसाय नहीं है?**
   A. बुनकर
   B. कुम्हार
   C. चिकित्सक (आरोग्यकर्ता)
   D. खगोलयात्री (D)

व्याख्या : खगोलयात्री का उल्लेख नहीं मिलता; जबकि बुनकर, कुम्हार, शिल्पकार, पूजा करने वाले, आरोग्यकर्ता आदि का उल्लेख मिलता है।

6. **'आरोग्यकर्ता' किसे कहा गया है?**
   A. देवताओं को प्रसन्न करने वाला व्यक्ति
   B. बीमारियों को पारंपरिक तरीकों से ठीक करने वाला
   C. कृषि कार्य करने वाला
   D. युद्ध का संचालन करने वाला (B)

व्याख्या : आरोग्यकर्ता वह व्यक्ति था जो पारंपरिक पद्धतियों से उपचार करता था।

7. **वैदिक संस्कृति में विकसित अनुष्ठान किसके लिए समर्पित थे?**
   A. केवल एक देवता के लिए
   B. देव-देवियों के प्रति कामना और मंगल हेतु
   C. विदेशी व्यापार बढ़ाने हेतु
   D. पशुपालन में वृद्धि हेतु (B)

व्याख्या : अनुष्ठान (यज्ञ आदि) देव-देवताओं की कृपा और कल्याण के उद्देश्य से किए जाते थे।

8. **वैदिक काल में अग्नि से संबंधित देव को क्या कहा गया?**
   A. वायु
   B. सोम
   C. अग्नि देव
   D. वरुण (C)

व्याख्या : अग्नि से संबंधित देव को 'अग्नि देव' कहा गया, जो यज्ञों के मुख्य देव माने गए।

9. **वैदिक अनुष्ठान समय के साथ कैसे बदलते गए?**
   A. समाप्त हो गए
   B. सरल होते गए
   C. अधिक जटिल बनते गए
   D. केवल पर्वों तक सीमित हो गए (C)

व्याख्या : समय बीतने के साथ वैदिक अनुष्ठान और अधिक जटिल और विस्तृत होते गए।

10. **वैदिक दर्शन कब विकसित हुआ?**
    A. वैदिक संस्कृति के बाद
    B. उपनिषदों के बाद
    C. बुद्ध और महावीर से पूर्व
    D. मध्ययुग में (C)

व्याख्या : वैदिक दर्शन की जड़ें ऋग्वैदिक एवं उत्तर वैदिक काल में हैं, जो बुद्ध और महावीर से पूर्व विकसित हो चुका था।

मिशन ज्ञान जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE! Video Courses | Quiz | PDF | Test Series
Download Mission Gyan App